बड़े प्रश्नो (3 का भाग 2): जीवन का उद्देश्य

रेटिंग:

विवरण: [illegible] ?

श्रेणी: लेख इस्लाम की मान्यताएं जीवन का उद्देश्य

द्वारा: Laurence B. Brown, MD

पर प्रकाशित: 04 Nov 2021

अंतिम बार संशोधित: 04 Nov 2021

जीवन के दो बड़े प्रश्नों में से पहला प्रश्न है, "हमें किसने बनाया?" हमने पिछले लेख में उस प्रश्न को संबोधित किया था और (उम्मीद है) उत्तर के रूप में "ईश्वर" पर समझौता किया था। जैसे हम सृष्टि हैं, ईश्वर सृष्टिकर्ता है।

अब, हम दूसरे "बड़े प्रश्न" की ओर मुड़ते हैं, जो है, "हम यहाँ क्यों हैं?

अच्छा, हम आखिर यहाँ क्यों हैं? प्रसिद्धि और भाग्य बटोरने के लिए? संगीत और बच्चे बनाने के लिए? कब्रिस्तान में सबसे धनी पुरुष या महिला बनने के लिए, क्योंकि, जैसा कि हमें मजाक में कहा जाता है, "सबसे ज़्यादा खिलौने के साथ मरने वाला जीतता है?"

नहीं, जीवन में इससे बढ़कर और भी बहुत कुछ अवश्य होगा, तो आइए इस बारे में सोचें। आरंभ करने के लिए, अपने चारों ओर देखें। अगर आप एक गुफा में नहीं रहते, तब तक आप उन चीजों से घिरे रहते हैं जिन्हें हम इंसानों ने अपने हाथों से बनाया है। अब, हमने वो चीजें क्यों बनाईं? इसका उत्तर, निश्चित रूप से, यह है कि हम अपने लिए कुछ विशिष्ट कार्य करने के लिए चीजें बनाते हैं। संक्षेप में, हम अपनी सेवा के लिए चीजें बनाते हैं। तो विस्तार से, ईश्वर ने हमें क्यों बनाया, अगर उसकी सेवा करने के लिए नहीं?

यदि हम अपने सृष्टकिर्ता को स्वीकार करते हैं, और यह कि उन्होंने मानवजाति को उनकी सेवा करने के लिए बनाया है, तो अगला प्रश्न है, "कैसे? हम उनकी सेवा कैसे करते हैं?" निःसंदेह, इस प्रश्न का उत्तर वही सबसे अच्छी तरीके से दे सकते है जिन्होंने उन्हें बनाया। यदि उन्होंने हमें उनकी सेवा करने के लिए बनाया है, तो वह हमसे एक विशेष तरीके से कार्य करने की अपेक्षा करता है, यदि हमें अपने उद्देश्य को प्राप्त करना है। लेकिन हम कैसे जान सकते हैं कि वह तरीका क्या है? हम कैसे जान सकते हैं कि ईश्वर हमसे क्या अपेक्षा करते है?

खैर, इस पर विचार करें: ईश्वर ने हमें प्रकाश दिया है, जिससे हम अपना रास्ता खोज सकते हैं। रात में भी, हमारे पास प्रकाश के लिए चंद्रमा और पथ प्रदर्शन के लिए तारे हैं। ईश्वर ने अन्य जानवरों को उनकी परिस्थितियों और जरूरतों के लिए सबसे उपयुक्त मार्गदर्शन प्रणाली दी। प्रवासी पक्षी, बादल के दिनों में भी संचालन कर सकते हैं, बादलों से गुजरते समय प्रकाश का ध्रुवीकरण को देखके। व्हेले पृथ्वी के चुंबकीय क्षेत्रों को "पढ़"कर प्रवास करती हैं। सैल्मन खुले समुद्र से गंध के द्वारा अपने जन्म के सही स्थान पर अंडे देने के लिए लौटते हैं, यदि इसकी कल्पना की जा सकती है। मछली अपने शरीर में उपस्थिति दबाव रिसेप्टर्स के माध्यम से दूर की गतिविधियों को महसूस करती हैं। चमगादड़ और अंधी नदी डॉल्फ़िन सोनार द्वारा "देखते" है। कुछ समुद्री जीव (इलेक्ट्रिक ईल एक हाई वोल्टेज उदाहरण है) चुंबकीय क्षेत्र उत्पन्न करते है और "पढ़ते" है, जो की उन्हें गंदे पानी में, या समुद्र की गहराई के कालेपन में "देखने" की क्षमता देती है। कीड़े फेरोमोन द्वारा संचार करते हैं। पौधे सूर्य के प्रकाश को महसूस करते हैं और उसकी ओर बढ़ते हैं (फोटोट्रोपिज्म); उनकी जड़ें गुरुत्वाकर्षण को महसूस करती हैं और पृथ्वी में विकसित होती हैं (जियोट्रोपिज्म)। संक्षेप में, ईश्वर ने अपनी रचना के प्रत्येक तत्व को मार्गदर्शन उपहार में दिया है। क्या हम गंभीरता से विश्वास कर सकते हैं कि वह हमें हमारे अस्तित्व के सबसे महत्वपूर्ण पहलू पर मार्गदर्शन नहीं देंगे, अर्थात् हमारा *raison d'etre*—हमारे होने का कारण? कि वह हमें मोक्ष प्राप्त करने के लिए साधन नहीं देंगे? और क्या यह मार्गदर्शन नहीं होगा . . . रहस्योद्घाटन?

इस पर इस तरीके से सोचिये: प्रत्येक उत्पाद के विनिर्देश और नियम होते हैं। अधिक जटिल उत्पादों के लिए, जिनके विनिर्देश और नियम सहज नहीं हैं, हम मालिक के नियमावली पर भरोसा करते हैं। ये नियमावली उस व्यक्ति द्वारा लिखे गए हैं जो उत्पाद को सबसे अच्छी तरह से जानता है, जो की निर्माता है। एक विशिष्ट मालिक की नियमावली अनुचित उपयोग और उसके खतरनाक परिणामों के बारे में चेतावनियों के साथ शुरू होती है, और उसके बाद बताते है उत्पाद का सही तरीके से उपयोग कैसे करें और इससे प्राप्त होने वाले सुबिधाओ का लाभ कैसे उठाये, और उत्पाद विनिर्देश और एक समस्या निवारण मार्गदर्शिका प्रदान करता है जिससे हम उत्पाद की खराबी को ठीक कर सकते हैं।

अब, यह रहस्योद्घाटन से अलग कैसे है?

रहस्योद्घाटन हमें बताता है कि क्या करना है, क्या नहीं करना है, और क्यों, हमें बताता है कि ईश्वर हमसे क्या उम्मीद करते हैं, और हमें दिखाता है कि अपनी कमियों को कैसे दूर किया जाए। रहस्योद्घाटन अंतिम उपयोगकर्ता मैनुअल है, मार्गदर्शन के रूप में प्रदान किया जाता है उसे जो हम इस्तेमाल करेंगे—हम स्वयम।

दुनिया में हम जानते हैं, जो उत्पाद विनिर्देशों को पूरा करते हैं या उससे अधिक होते हैं उन्हें सफल माना जाता है, जबकि जो नहीं होते ... हम्म ... चलिए इस बारे में सोचते हैं। कोई भी उत्पाद जो कारखाने के विनिर्देशों को पूरा करने में विफल रहता है, या तो मरम्मत की जाती है या, यदि निराशाजनक है, तो पुनर्नवीनीकरण किया जाता है। दूसरे शब्दों में, नष्ट कर दिया जाता है। उफ़। अचानक यह चर्चा डरावनी-गंभीर हो जाती है। क्योंकि इस चर्चा में, हम उत्पाद हैं—सृष्टि का उत्पाद।

लेकिन आइए एक पल के लिए रुकें और विचार करें कि हम अपने जीवन को भरने वाली विभिन्न वस्तुओं के साथ कैसे संपर्क रखते हैं। जब तक वे वही करते हैं जो हम चाहते हैं, हम उनसे खुश हैं। लेकिन जब वे हमें विफल करते हैं, तो हम उनसे छुटकारा पा लेते हैं। कुछ को दुकान में वापस कर दिया जाता है, कुछ को दान में दे दिया जाता है, लेकिन अंततः वे सभी कचरे में समाप्त हो जाते हैं, जो ... दफन या जला दिया जाता है। इसी तरह, एक खराब प्रदर्शन करने वाले कर्मचारी को ... निकाल दिया जाता है। अब, एक मिनट के लिए रुकें और उस शब्द के बारे में सोचें। एक ख़राब प्रदर्शन करने वाले कर्मचारी की सजा के लिए वह प्रेयोक्ति कहां से आई? हम्म ... जो व्यक्ति इस जीवन के पाठों को धर्म के पाठों में परिणित करने में विश्वास करता है, उसके लिए यह एक आनंदमयी दिवस जैसा है।

लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि ये उपमाएँ अमान्य हैं। इसके ठीक विपरीत, हमें याद रखना चाहिए कि दोनों पुराने और नए टेस्टामेंट उपमाओं से भरे हुए हैं, और यीशु मसीह ने दृष्टान्तों का उपयोग करके सिखाया।

तो शायद इसे गंभीरता से लेना बेहतर होगा।

नहीं, मैं सही हूं। निश्चित रूप से हमें इसे गंभीरता से लेना चाहिए। किसी ने कभी स्वर्ग के सुखों और नरकंकाल की यातनाओं के बीच के अंतर को हंसी की बात नहीं माना।

कॉपीराइट © 2007 डॉ लॉरेंस बी. ब्राउन; अनुमति द्वारा ब्यबहृत।

डॉ. ब्राउन *? ??? ???????* के लेखक हैं, जिसके बारे में उत्तरी कैरोलिना राज्य सीनेट सदस्य लैरी शॉ ने कहा हे, “*??????? ????* की मुलाकात हुई *? ?? ?????? ???* से। *? ??? ???????* एक साँस रोक देने वाली, उत्तेजक, न रख सकने वाला रहस्य जो मानवता, इतिहास और धर्म के पश्चिमी विचारों को चुनौती देता है. अपनी कक्षा की सर्वश्रेष्ठ पुस्तक!” डॉ. ब्राउन तुलनात्मक धर्म की तीन शैक्षिक पुस्तकों के लेखक भी

हैं, *????????, ?????*, और *??????? ???? ??????* (दार-उस-सलाम). उनकी कतिाबें और लेख उनकी वेबसाइटों पर देखे जा सकते हैं, www.EighthScroll.com और www.LevelTruth.com, और www.Amazon.com के माध्यम से खरीदने के लिए उपलब्ध हैं।

इस लेख का वेब पता:

https://www.islamreligion.com/hi/articles/527

कॉपीराइट © 2006-2020 सभी अधिकार सुरक्षित हैं। © 2006 - 2023 IslamReligion.com. सभी अधिकार सुरक्षित हैं।